भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1012
31 जुलाई, 2024 को उत्तर के लिए

समुद्री उत्पादों का निर्यात

1012 श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल:
श्रीमती फूलो देवी नेतमः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) विगत पांच वर्षों के दौरान समुद्री उत्पादों के कुल उत्पादन और कुल निर्यात की मात्रा का वर्ष- वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने अगले दो वर्षों में प्राप्त करने के लिए निर्यात संबंधी कोई लक्ष्य निर्धारित किये हैं; और
(ग) यदि हां, तो सरकार इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए क्या उपाय कर रही है?

उत्तर

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क): पिछले पांच वर्षों में कुल मत्स्य उत्पादन और मत्स्य निर्यात का वर्षवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	वर्ष	कुल मत्स्य उत्पादन (लाख टन में)	मत्स्य निर्यात	
			मात्रा (मीट्रिक टन में)	कीमत (रुपए करोड़ में)
1	2019-20	141.64	1289651	46662.85
2	2020-21	147.25	1149510	43720.98
3	2021-22	162.48	1369264	57586.48
4	2022-23	175.45	1735286	63969.14
5	2023-24	182.70 (अनुमानित)	1781602	60523.89

(ख) और (ग) : देश में मत्स्यपालन और जल कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्यान्वित एक प्रमुख योजना प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना(पीएमएमएसवाई) का उद्देश्य *अन्य बातों के साथ-साथ* 2024-25 तक मत्स्य निर्यात को बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपए करना है। पीएमएमएसवाई का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, पोस्ट-हार्वेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रबंधन, मूल्य श्रृंखला के आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण, पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान को कम करना**,** ट्रेसेबिलिटी आदि संबंधी प्रमुख कमियों (क्रिटिकल गैप्स) को दूर करना है । मात्स्यिकी क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए, पीएमएमएसवाई के अंतर्गत गुणवत्तायुक्त मत्स्य उत्पादन, प्रजातियों के विविधीकरण, निर्यात-उन्मुख प्रजातियों के संवर्द्धन, ब्रांडिंग, मानक और प्रमाणन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, पोस्ट-हार्वेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और फिश कैच की हाइजीनिक हैंडलिंग के लिए आधुनिक फिशिंग हार्बर और फिश लैंडिंग सेंटर के विकास के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

******